# गंगोत्री हिमनद का पीछे हटना जलवायु संकट का संकेत

स्रोत: डीटीई

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) इंदौर और **ICIMOD (नेपाल)** द्वारा किये गए अध्ययन से ज्ञात होता है कि गंगा के प्राथमिक स्रोत गंगोत्री हिमनद तंत्र (GGS) ने वर्ष 1980–2020 के बीच बढ़ते तापमान एवं जलवायु परिवर्तन के कारण अपने **हिमविगिघल प्रवाह (snowmelt flow) में करीब 10% की गिरावट दर्ज** की है।

- हिमालयी हिमनद औसतन **46 सेमी. प्रति वर्ष की दर से संकुचित हो रहे हैं** और गंगोत्री का मुख (snout) लगातार पीछे हट रहा है। **वर्षा-अपवाह और आधार प्रवाह** में वृद्धि जलवायु-जनित जलविज्ञानी परिवर्तनों का संकेत देती है।
  - **केंद्रीय जल आयोग (CWC)** के अनुसार, **हिमालयी क्षेत्र में** हिमनदीय झीलों **व अन्य जल निकायों का क्षेत्रफल वर्ष 2011 से 2024 के बीच 10.81% बढ़ा है।**

## गंगोत्री हिमनद

- **परिचय:** उत्तरकाशी (उत्तराखंड) में स्थित, गंगोत्री हिमनद **हिमालय के सबसे बड़े हिमनदों में से एक** है, जो चौखंबा श्रेणी की उत्तरी ढलानों से उद्गमित होता है।
  - यह एक **संयुक्त घाटी हिमनद** है, जिसे **रक्तवर्ण, चतुरंगी और स्वच्छंद** जैसे कई सहायक हिमनद पोषित करते हैं। इसे शिवलिंग, थलै सागर, मेरु और भागीरथी-III जैसे पर्वत शिखरों से पोषण मिलता है।
  - यह **गौमुख** पर समाप्त होता है, जहाँ से **भागीरथी नदी** उद्गमित होती है जो आगे चलकर अलकनंदा से मिलकर देवप्रयाग में **गंगा** का सृजन करती है।
- **गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान**: वर्ष 1989 में स्थापित इस राष्ट्रीय उद्यान में **गौमुख** (गंगा का उद्गम स्थल) और प्रसिद्ध **गौमुख-तपोवन ट्रेक आदि उल्लेखनीय स्थल शामिल** हैं।
  - यहाँ **घने समशीतोष्ण शंकुधारी वन** पाए जाते हैं, जिनमें चीड़, देवदार, फर, स्प्रूस, ओक और **रोडोडेंड्रॉन** शामिल हैं **साथ ही यह उद्यान कई दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियों का पर्यावास भी है, जैसे—भड़ल (हिमालय की नीली भेड़), काला भालू, भूरा भालू,** हिमालयन मोनाल**, हिमालयन स्नोकॉक,** हिमालयन तहर**,** कस्तूरी मृग **तथा** हिम तेंदुआ **आदि।**

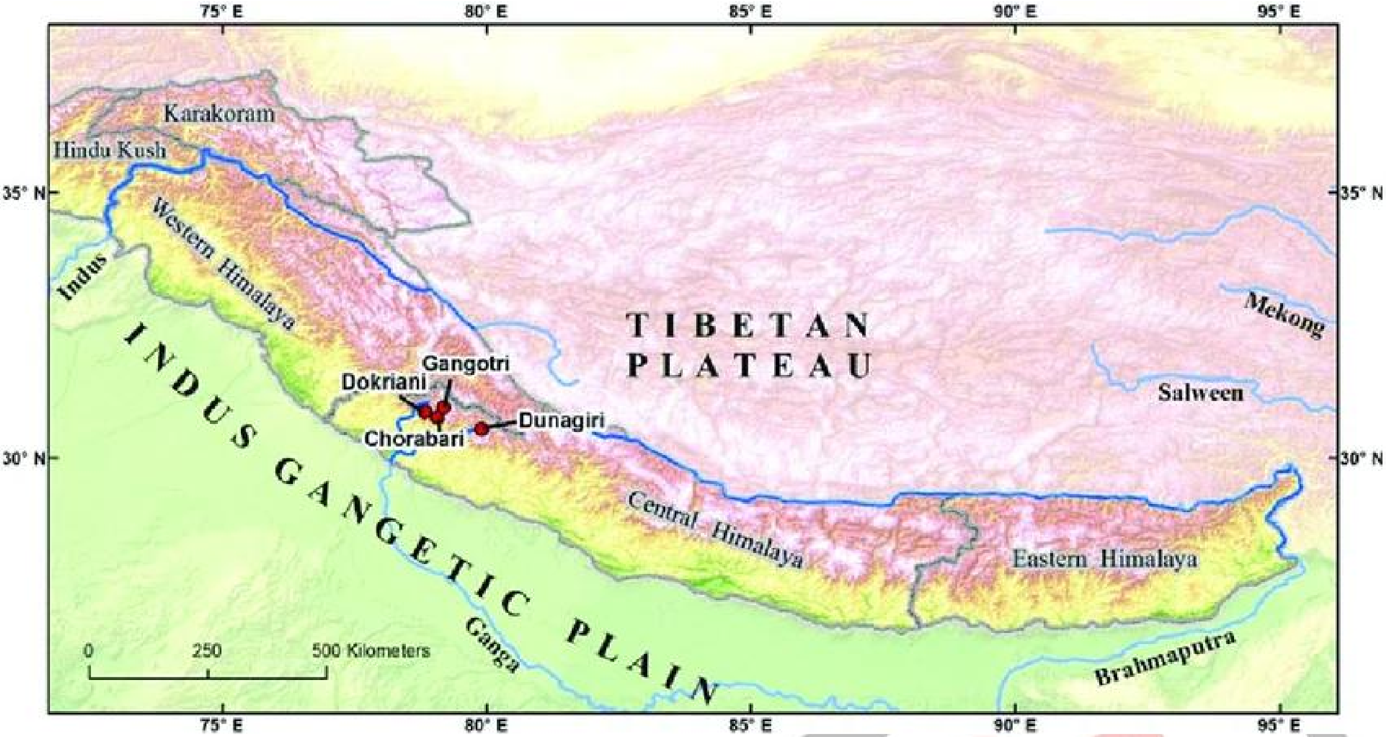


**और पढ़ें:** [गंगा नदी]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gangotri-glacier-retreat-signals-climate-peril